# पश्चिमी संस्कृति को बढ़ावा देने में सोशल मीडिया का योगदान

**सत्र -2022-2023**

**एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर पत्रकारिता एवं जनसंचार के पंचम प्रश्न पत्र के आंशिक प्रतिपूर्ति हेतु लघु शोध प्रबंध**


मार्गदर्शक

डॉ. अनुपमा कुमारी

असिस्टेंट प्रोफेसर

पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर (छ.ग.)

प्रस्तुतकर्ता

अतुल भारद्वाज

एम.ए.जे.एम.सी चतुर्थ सेमेस्टर

अनुक्रमांक: 21008107

नामांकन संख्या:GGV/21/00506


## पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग
## गुरु घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर (छ.ग.)

विभागाध्यक्ष
H.O.D
पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग
Deptt. of Journalism & Mass Communication
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय,
Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
बिलासपुर (छ.ग.)
Bilaspur (C.G.)

Scanned with OKEN Scanner

# प्रमाणपत्र

यह प्रमाणित किया जाता है कि **अतुल भारद्वाज** एम. ए.,चतुर्थ सेमेस्टर ,पत्रकारिता एवं जन संचार विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर (छ.ग.) के छात्र हैं। इन्होंने मेरे निर्देशन में "पश्चिमी संस्कृति को बढ़ावा देने में सोशल मीडिया का योगदान" विषय पर लघु शोध प्रबंध पूर्ण किया है तथा लघु शोध -पत्र लेखन में विश्वविद्यालय द्वारा वर्णित सभी शोध नियमों का अनुपालन किया है।

दिनांक:

स्थान - बिलासपुर

विभागाध्यक्ष
डॉ. धीरज शुक्ला
पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर(छ.ग.)

शोध निर्देशक
डॉ. अनुपमा कुमारी
पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर(छ.ग.)

Scanned with OKEN Scanner

# अध्याय 1

## 1.1 परिचय

पश्चिमी संस्कृति को पश्चिमी यूरोप और पश्चिमी यूरोप के मूल्यों, रीति-रिवाजों, प्रथाओं, परंपराओं, धार्मिक विश्वासों, आर्थिक प्रणाली और राजनीतिक-सामाजिक संगठन के प्रतिनिधि के रूप में जाना जाता है, क्योंकि उन्हें अपना माना गया था। पश्चिमी समाज, पश्चिमी सभ्यता, यूरोपीय सभ्यता और ईसाई सभ्यता के नाम भी इसी अर्थ में प्रयोग किये जाते हैं। विस्तार से, वे देश जहां पश्चिमी यूरोप में स्थापित किया और अपनी भाषाएं, सामाजिक-राजनीतिक व्यवस्था प्रणाली, धर्म, कानूनी प्रणाली, शैक्षिक मॉडल, मूल्य और रीति-रिवाज विरासत में पाए, उन्हें पश्चिमी संस्कृति या देशों का हिस्सा माना जाता है । पश्चिमी संस्कृति, विशेष रूप से यूरोप और उत्तरी अमेरिका में, ईसाई धार्मिक परंपराओं से काफी प्रभावित रही है। ईसाई धर्म ने नैतिक मूल्यों, नैतिक सिद्धांतों और सामाजिक मानदंडों को आकार दिया है, साथ ही पश्चिमी कला, साहित्य और वास्तुकला के विकास में भी योगदान दिया है। पश्चिमी संस्कृति की विशेषता विज्ञान, प्रौद्योगिकी और विचार में महत्वपूर्ण प्रगति रही है। वैज्ञानिक क्रांति और ज्ञानोदय युग ने जांच की भावना को बढ़ावा दिया, जिससे भौतिकी, रसायन विज्ञान, चिकित्सा और इंजीनियरिंग जैसे विभिन्न क्षेत्रों में सफलताओं मिलीं। पश्चिमी संस्कृति ने प्रसिद्ध कलात्मक आंदोलनों, साहित्य और मीडिया का निर्माण किया है। पुनर्जागरण से लेकर तक, शेक्सपियर के नाटकों से लेकर हॉलीवुड फिल्मों तक, पश्चिमी सांस्कृतिक अभिव्यक्तियों का प्रभाव रहा है। पश्चिमी कला रूपों में चित्रकला, मूर्तिकला, संगीत, साहित्य, रंगमंच और सिनेमा भी शामिल हैं। पश्चिमी संस्कृति पूंजीवादी आर्थिक प्रणालियों और उपभोक्ता-उन्मुख समाज के साथ निकटता से जुड़ी हुई है। भौतिकवादी, उपभोक्तावाद और बाजार-संचालित अर्थव्यवस्था ने पश्चिमी जीवनशैली को आकार दिया है और दुनिया भर में उपभोग के पैटर्न को प्रभावित किया है।

लोकप्रिय संस्कृति और वैश्विक प्रभाव संगीत, फैशन, खेल और मनोरंजन सहित पश्चिमी लोकप्रिय संस्कृति ने अपार वैश्विक लोकप्रिय हासिल की है। पॉप और हिप-हॉप जैसी पश्चिमी संगीत के साथ-साथ पश्चिमी फैशन दुकानों का वैश्विक युवा संस्कृति और जीवनशैली विकल्पों पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ा हैं। पश्चिमी संस्कृति ने धीरे-धीरे धर्मनिरपेक्षता की ओर बदलाव का अनुभव किया है, कई पश्चिमी समाज में चर्च और राज्य को अलग करना एक बुनियादी सिद्धांत बन गया है।
हाल के वर्षों में सोशल मीडिया प्लेटफार्मों के तेजी से विकास ने वैश्विक स्तर पर लोगों के जुड़े, संचार करने और जानकारी का उपभोग करने के तरीके को बदल दिया है। ये डिजिटल स्थान सांस्कृतिक आदान-प्रदान के शक्तिशाली माध्यम बन गए हैं, जो सीमाओं के पार विचारों, मूल्यों और जीवन शैली



Scanned with OKEN Scanner